सौतन बनी आज कान्हा,
मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।।

अरे हां, मैं तो गई यमुना जल,
भरन युमना जल,
तट पे रही बाज कान्हा,
मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।।

अरे हां, मैं तो गई कुंजन वन,
गई कुंजन वन,
वन मे रही बाज कान्हा,
मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।।

अरे हां, संगम होए अब कैसे,
होए अब कैसे,
होंठन रही बैज कान्हा,
मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।।

सौतन बनी आज कान्हा,

मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।।

स्वर रजनी भारती।
प्रेषक दुर्गा प्रसाद पटेल
9713325873

Source: https://www.bharattemples.com/sautan-bani-aaj-kanha-muraliya-tori/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw